सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 328 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 6 जनवरी, 2025

मूल्य ₹ 3/-

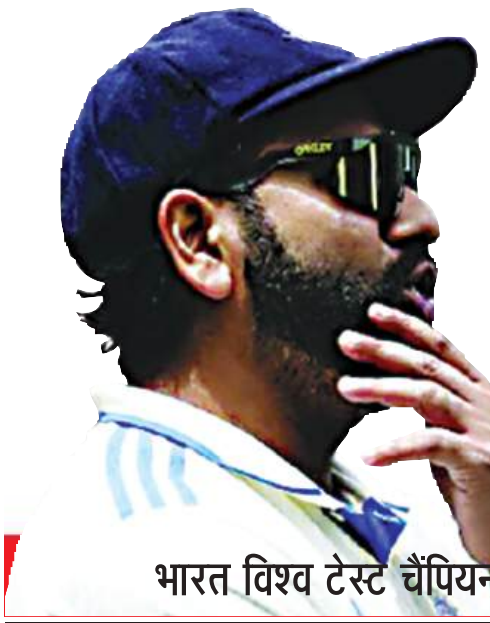

अवसर के बिना काबिलियत कुछ भी नहीं है।
-नेपोलियन बोनापार्ट

भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल... 7 | जम्मू-कश्मीर में आरक्षण को... 3 | विपक्षी दलों को बदनाम करने... 2

दिल्ली चुनावों में प्रचार अब गाली-गलौज तक पहुंचा

फिर फिसली बिधूड़ी की जुबान, दिल्ली में मचा घमासान

» आप ने भाजपा पर साधा निशाना, कांग्रेस पर भी बरसी

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में जैसे-जैसे विधान सभा चुनावों की तरीखों की घोषणा का समय नजदीक आता जा रहा है वहा सियासी पारा कड़कड़ती ठंड में गरम होता जा रहा है। भाजपा के नेता रमेश बिधूड़ी ने राज्य की सीएम आतिशी पर प्रियंका गांधी के बाद दूसरा आपत्तिजनक बयान दिया।

सीएम आतिशी के सरनेम पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि आतिशी पहले मार्लेना थीं, अब सिंह हो गईं। उन्होंने अपना पिता ही बदल लिया। ये इनका चरित्र है। इसके साथ उन्होंने अरविंद केजरीवाल और संजय सिंह पर भी टिप्पणी की। इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है। हालांकि इससे पहले विधूड़ी प्रियंका गांधी पर दिये गए बयान पर माफी मांगी। उनके बयान पर विपक्षी दलों के निशाने पर पूरी बीजेपी आ गई है। विपक्ष ने कहा है भाजपा ऐसे ही महिलाओं का अपमान करती है। इस पर आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर लिखा कि बीजेपी के नेता दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी जी को गंदी-गंदी गालियां दे रहे हैं। एक महिला मुख्यमंत्री का अपमान दिल्ली की जनता सहन नहीं करेगी। दिल्ली की सभी महिलाएं इसका बदला लेंगी।

प्रियंका गांधी के बाद दिल्ली की सीएम आतिशी पर की आपत्तिजनक टिप्पणी

आप को गाली दें, लेकिन दिल्ली के विकास की बात भी करें पीएम मोदी : केजरीवाल

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री पर हमला बोलते हुए कहा कि पीएम ने 38 मिनट के भाषण में 29 मिनट दिल्ली की चुनी हुई सरकार को गाली दी है। केजरीवाल के मुताबिक, पीएम के भाषण से देश के लोग एक विजन की उम्मीद करते हैं, लेकिन उनको इस बार भी निराशा हाथ लगी। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली आधा राज्य है। प्रधानमंत्री हर चुनाव में आते हैं और हर चुनाव के अंदर झूठे वादे करके जाते हैं।

दिल्ली में प्रधानमंत्री अगली बार आकर भाषण दें तो बेशक आप को 25 मिनट गाली दे दें, लेकिन अगले चार मिनट दिल्ली के विकास पर बात करें। इससे दिल्लीवालों का भला होगा। केजरीवाल ने पीएम से पुराने वायदे पूरे करने की अपील की है। केजरीवाल ने कहा कि 20 सूत्रीय कार्यक्रम में और धारा 74(4) के तहत दिल्ली के कई किसानों को दिल्ली देहात के अंदर जमीनें दी गई थीं। उन्हें उन जमीनों का मालिकाना हक आज तक नहीं दिया गया। जितने किसानों की जमीनों का अधिग्रहण किया जाता है, उन्हें कानूनन वैकल्पिक प्लॉट्स दिए जाने होते हैं। डीडीए ने पिछले 50 सालों में किसी को वैकल्पिक प्लॉट्स नहीं दिए।

रमेश बिधूड़ी ने प्रियंका गांधी से मांगी माफी

इससे पहले भाजपा नेता व पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी कांग्रेस महासचिव व सांसद प्रियंका गांधी पर आपत्तिजनक बयान दिया। बिधूड़ी का बयान सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विपक्ष ने चौतरफा हमला किया। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) ने बिधूड़ी और भाजपा को महिला विरोधी सोच करार दिया। चौतरफा घिरने के बाद बिधूड़ी बैकफुट पर चले गए और बयान के लिए माफी मांगी। वीडियो में रमेश बिधूड़ी कहते दिख रहे हैं, लालू ने वादा किया था कि बिहार की सड़कों को हेमा मालिनी के गालों जैसा बना दूंगा, लेकिन वे ऐसा नहीं कर पाए। मैं सारी सड़कें प्रियंका गांधी के गाल जैसी बना दूंगा।

'बिधूड़ी के बयान पर माकन व संदीप चुप क्यों'

आप नेताओं ने कहा कि कांग्रेस नेता अजय माकन और संदीप दीक्षित की चुप्पी हैरान करती है। आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि रमेश बिधूड़ी ने गलत बयान दिया है। आप इसकी कड़ी निंदा और विरोध कर रही है, लेकिन कांग्रेस चुप है। ये चुप्पी भाजपा से गहरा रिश्ता बताती है। इस वजह से अजय माकन व संदीप दीक्षित प्रियंका के अपमान पर खामोश हैं। कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज के मुताबिक, संदीप दीक्षित की हिम्मत नहीं है कि वे बिधूड़ी के खिलाफ एक शब्द भी बोलें। राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने एक्स पर कहा कि संदीप दीक्षित और भाजपा के गहरे संबंध हैं। यह हैरान करने वाली बात है कि संदीप अपनी ही पार्टी की एक वरिष्ठ नेता के खिलाफ ऐसी आपत्तिजनक टिप्पणियों पर चुप हैं।

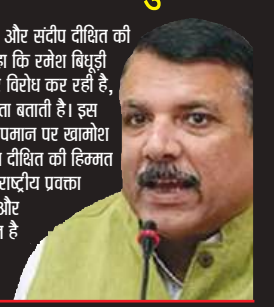

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया एक और पत्रकार

» छत्तीसगढ़ में मुकेश चन्द्राकर की दर्दनाक हत्या

» पूरे देश में कोहराम पत्रकारों के लिए सुरक्षित नहीं रहा भारत

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। राजनीतिक, अपराध, और भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों पर रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों के लिए यह आपातकाल जैसा समय चल रहा है। सच्ची रिपोर्टिंग करने के एवज में एक और पत्रकार को अपनी जान कुर्बान करनी पड़ी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या से पूरा देश सदमे में है।

यह वही मुकेश चन्द्राकर है जो बीजापुर में मुठभेड़ के दौरान नक्सलियों द्वारा अपहृत सीआरपीएफ जवान को नक्सलियों से छुड़कार अपनी बाइक पर बिठा कर लाये थे। मुकेश एक जनवरी से लापता थे। उनका शव बीजापुर के चट्टान पारा इलाके में सड़क ठेकेदार सुरेश चंद्राकर के फार्म हाउस के सेप्टिक टैंक से बरामद किया गया है। मुकेश ने बस्तर में 120 करोड़ रुपये की सड़क निर्माण परियोजना में कथित भ्रष्टाचार का खुलासा किया था। उनकी हत्या को इसी से जोड़कर देखा जा रहा है।

120 करोड़ के भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाना पड़ा महंगा सेप्टिक टैंक में मिली लाश

पिछले पांच वर्षों में भारत में 20 पत्रकारों की हुई हत्या

भारतीय प्रेस फाउंडेशन (आईपीएफ) और रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (आरएसएफ) के आंकड़ों के मुताबिक पिछले पांच वर्षों में भारत में लगभग 20 पत्रकारों की हत्या हुई है। इसके अलावा, 30 से अधिक पत्रकारों को गंभीर रूप से चोटें आई हैं, और सैकड़ों अन्य पत्रकारों को उत्पीड़न और धमकियों का सामना करना पड़ा है।

आरोपी सुरेश एक ठेकेदार

पुलिस ने मुख्य आरोपी सुरेश को हैदराबाद से गिरफ्तार कर लिया है। एसआईटी ने उसे गिरफ्तार किया है। पुलिस उसे लेकर छत्तीसगढ़ आ रही है। आरोपी सुरेस चन्द्राकर एक ठेकेदार है। उससे पूछताछ के बाद ही हत्या की वजहों का खुलासा होगा। वहीं, मुकेश चन्द्राकर के परिजनों का कहना है कि पत्रकार ने ठेकेदार के भ्रष्टाचार को उजागर किया था।

बहादुर थे चन्द्राकर, जवान को बचाया था

यह हत्याएं ऐसे समय में हो रही है जब देश में एक स्थिर और मजबूत सरकार है। सरकार चाहे यूपी की हो या फिर गुजरात की। दिल्ली हो या फिर पंजाब सभी जगह भष्टाचार वह चाहे जैसा हो पर आवाज उठाने या लिखने वाले पत्रकारों को मौत मिलती है। मुकेश चन्द्राकर की वीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब सीआरपीएफ के जवान को रिहा कराने के सारे सरकारी जुगत फेल हो गयी तब उन्होंने अपनी जान की परवाह न करते हुए वीर सैनिक को नक्सलियों से आजाद कराया। उनको उनके घरों तक पहुंचाया था।

ओयो ने लगाई लवबर्ड की गुटरगूं पर पाबंदियां

ओयो ने होटल इंडस्ट्री को दी नई पहचान

सिर्फ पवित्र रिश्तों को मिलेंगे ओयो रूम

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। ओयो ने मेरठ से पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर एक नई शुरूआत की है। ओयो मेरठ में किसी भी अविवाहित जोड़े को रूम मुहैया नहीं करायेगा। उसकी यह पहल सामजिक दबाव में कोर्ट में याचिका या फिर उसका बिजनेस प्लान है यह वह जाने लेकिन ओयो जल्द ही इस पायलट प्रोजेक्ट को पूरे देश में लागू कर देगा।

जिसमें किसी भी असंवैधानिक जोड़े को ओयो रूम नहीं मिलेगा।

होटलों को बुकिंग रद्द करने का अधिकार

कंपनी ने कहा कि ने अपने पार्टनर होटलों को स्थानीय सामाजिक संवेदनशीलता के साथ तालमेल बिठाते हुए अपने विवेक के आधार पर जोड़ों की बुकिंग को अस्वीकार करने का अधिकार दिया है। ने मेरठ में अपने पार्टनर होटलों को तत्काल प्रभाव से यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। नीति परिवर्तन से परिचित लोगों ने एजेंसी को बताया कि जमीनी स्तर पर मिली प्रतिक्रिया के आधार पर कंपनी इसे और शहरों में भी लागू कर सकती है।

ट्रैवल बुकिंग करने वाली प्रमुख कंपनी ओयो ने अपने चेक इन नियमों में बड़ा बदलाव किया है, जिसके अनुसार अविवाहित जोड़े अब कंपनी के पार्टनर होटलों में कमरा बुक नहीं कर पाएंगे।

विपक्षी दलों को बदनाम करने के लिए भाजपा के पास मोटा बजट : अखिलेश

» बोले- बीजपी की प्रवृत्ति तानाशाही, एक दिन होगी खत्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का भाजपा पर आक्रामक हमले जारी हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी नकारात्मक राजनीति करती है। दूसरे दलों और नेताओं को बदनाम करती है। इसके लिए मोटा बजट भी खर्च करती है। उसकी प्रवृत्ति तानाशाही भरी है, लेकिन इतिहास गवाह है हर तानाशाह को अपमानित होकर ही जाना पड़ता है। अखिलेश प्रदेश सपा मुख्यालय पर विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतंत्र और संविधान विरोधी काम करती है।

चुनावों में पुलिस-प्रशासन को अपने पक्ष में अनुचित इस्तेमाल करती है। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्ट कट नहीं होता है। पार्टी के कार्यकर्ता और नेता ईमानदारी से कार्य करें। इंडिया गठबंधन को मजबूत करना है। पीडीए की रणनीति से इंडिया गठबंधन को ताकत मिलेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा जातीय जनगणना नहीं होने देना चाहती है। समाजवादी पार्टी संविधान, लोकतंत्र बचाने और सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ रही है। सपा नए विजन और लोगों की बेहतरी के लिए कार्य कर रही है। समाजवादी सरकार ने अपने कार्यकाल में उत्तर प्रदेश में बिजली उत्पादन दोगुना किया। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे

सामाजिक न्याय की लड़ाई समाजवादी ही लड़ते रहे हैं

सपा मुखिया ने कहा कि किसान, नौजवान, मजदूर, व्यापारी, शिक्षक, अधिवक्ता समेत सभी वर्ग परेशान है। उन्होंने कहा कि सपा के पास डॉ. राममनोहर लोहिया, डॉ. भीमराव आंबेडकर की विचारधारा और मुलायम सिंह यादव के संघर्ष की विरासत है। सामाजिक न्याय की लड़ाई समाजवादी ही ल?ते रहे हैं। यह संघर्ष आज भी जारी है। कहा, जातीय जनगणना से ही हर एक की भागीदारी तय हो सकेगी।

मिल्कीपुर चुनाव कवरेज के लिए अंतरराष्ट्रीय मीडिया को बुलाएगी सपा

अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए सपा ने खास रणनीति तैयार की है। सपा सूत्रों के मुताबिक, बूथ स्तर पर संपर्क के लिए टीमें लगा दी गई हैं। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय मीडिया का भी आह्वान किया जाएगा कि उसके लोग यहां चुनाव की कवरेज के लिए आएं। बीते दिनों हुए उपचुनाव में सपा ने सत्ताधारी दल पर चुनाव में पुलिस और प्रशासन के दुरुपयोग का आरोप लगाया था। सपा सूत्रों का कहना है कि इस बार सपा की कोशिश रहेगी की देश-दुनिया के प्रमुख मीडिया हाउस यहां चुनाव कवरेज के लिए आएं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भी कह चुके हैं कि दुनिया को पता लगना चाहिए कि यहां चुनाव में क्या होता है।

भाजपा ने मिल्की पुर में एक साथ उतारी छह मंत्रियों की टीम

मिल्कीपुर सीट को जीतने को लेकर भाजपा के संजीदगी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हाल में 9 विधानसभा सीटों पर हुए उप चुनाव में एक-एक सीट पर तीन-तीन मंत्रियों की टीम को कमान सौंपी गई थी। जबकि मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्रियों के अलावा प्रदेश अध्यक्ष और संगठन मंत्री ने भी दो-दो सीटों की जिम्मेदारी संभाली थी। लेकिन मिल्कीपुर सीट पर सीएम ने छह मंत्रियों की टीम उतार दी है। इनमें अयोध्या के प्रभारी मंत्री सूर्यप्रताप शाही के अलावा जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर, आयुष एवं औषधि प्रशासन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्रा दयालु, राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह व सतीश शर्मा शामिल हैं। इसके अलावा सीएम और दोनों उप मुख्यमंत्री भी लगातार इस विधानसभा क्षेत्र में दौरा कर रहे हैं।

राजनीतिक द्वेष भावना के चलते तमाम विकास कार्य रोके

भाजपा सरकार ने राजनीतिक द्वेष भावना के चलते तमाम विकास कार्य रोक दिए। उन्होंने कहा कि भाजपा सराकर बिजली समेत तमाम सार्वजनिक संस्थाओं को निजी हाथों में सौप रही है। भाजपा का रास्ता विनाशकारी है।

राजद से गलती से किया था गठबंधन : नीतीश

» लालू के प्रस्ताव पर बिहार के सीएम ने दिया जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी लालू प्रसाद की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने विपक्षी पार्टी के साथ गलती से गठबंधन कर लिया था, जिसने सत्ता में रहते हुए कुछ नहीं किया। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) सुप्रीमो ने यह टिप्पणी पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद द्वारा कुछ दिनों पहले की गई पेशकश के बाद की है।

लालू प्रसाद ने कहा था कि राजद ने पूर्व सहयोगी के लिए अपने दरवाजे खुले रखे हैं, जो अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में लौट गए हैं। कुमार ने राज्यव्यापी प्रगति यात्रा के तहत उत्तर बिहार के कहा, हमसे पहले जो लोग सत्ता में थे...क्या उन्होंने कुछ किया? लोग सूर्यास्त के बाद अपने घरों से बाहर निकलने से डरते थे। मैं गलती से दो बार उनके साथ जुड़ गया था। बिहार के मुख्यमंत्री का पद सबसे लंबे समय से संभाल रहे नीतीश ने सवाल किया, उस समय महिलाओं की क्या स्थिति थी?

भाजपा विधायक पर लगाम लगाएं सीएम फडणवीस : मिटकरी

» अजित पवार पर निशाना साधने को लेकर राकांपा ने जताई आपत्ति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रवक्ता सूरज चव्हाण और पार्टी के विधान पार्षद अमोल मिटकरी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक सुरेश धस द्वारा बीड जिले में एक सरपंच की हत्या की जांच को लेकर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार पर निशाना साधने पर आपत्ति जताई।

सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में चव्हाण ने पूछा कि क्या धस को हत्या की निष्पक्ष जांच को लेकर राज्य के गृह विभाग पर भरोसा नहीं है। मिटकरी ने पूछा कि क्या मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस अपनी पार्टी के विधायक पर लगाम लगाएंगे। अगर राकांपा का कोई भी व्यक्ति हत्या मामले में संलिप्त पाया जाता है तो पवार उसके खिलाफ कार्रवाई करने में संकोच नहीं करेंगे।

सरपंच हत्या मामले की दृढ़ता से जांच हो रही: फडणवीस

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार बीड जिले के मसजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या मामले की पूरी दृढ़ता के साथ जांच कर रही है और अपराध मे शामिल लोगो को बख्शा नही जाएगा। फडणवीस ने पत्रकारो से कहा कि संतोष देशमुख की हत्या मामले का राजनीतिकरण नही किया जाना चाहिए।मुख्यमंत्री ने कहा, बीड मामले मे सरकार और पुलिस पूरी ताकत और दृढ़ संकल्प के साथ काम कर रही है। दोषियो को बख्शा नही जाएगा। फडणवीस ने कहा, आरोपी भले ही फरार हो, लेकिन कार्रवाई की जा रही है। हम उन लोगो को नही बख्श रहे है जिन्होने आरोपियो की मदद की। जांच एजेंसियो को मामले की सही तरीके से जांच करने की अनुमति दी जानी चाहिए।

युवा विभाजनकारी ताकतों से दूर रहें : सिद्धरमैया

» बोले- धर्म और जाति का दुरुपयोग करने वाले देश में शांति को बाधित कर रहे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलुरु। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने दावा किया कि विभाजनकारी ताकतें कर्नाटक और देश में शांति को बाधित करने के लिए धर्म और जाति का दुरुपयोग कर रही हैं, जिससे प्रगति बाधित हो रही है। उन्होंने युवाओं से ऐसी ताकतों से दूर रहने और अपने भविष्य की रक्षा करने का आह्वान किया। यहां राज्य स्तरीय युवा महोत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान युवाओं में सामाजिक रूप से जिम्मेदार दृष्टिकोण विकसित करने के महत्व पर जोर दिया।

सिद्धरमैया ने कहा, ''जब युवा सामाजिक चेतना के साथ बढ़ते हैं, तो वे राष्ट्र की संपत्ति बन जाते हैं। इसे हासिल करने के लिए उन्हें वैज्ञानिक और तर्कसंगत शिक्षा लेनी चाहिए, समान अवसर पैदा करने चाहिए और समाज की प्रगति में योगदान देना चाहिए। उन्होंने युवाओं से आग्रह करते हुए कहा, ''संविधान का सार सभी को समझना चाहिए। यह सभी नागरिकों के लिए आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है और सभी को अपने धर्म का स्वतंत्र रूप से पालन करने की अनुमति देता है। इस संविधान की वजह से ही मैं मुख्यमंत्री बन सका। संविधान की रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है।

कर्नाटक सरकार अनुसूचित जातियों के बीच आंतरिक आरक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा कि उनकी सरकार अनुसूचित जातियो (एससी) के बीच आंतरिक आरक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। सिद्धरमैया ने कहा, उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि आंतरिक आरक्षण दिया जाना चाहिए, लेकिन जैसा कि कुछ लोगो ने कहा है कि इस संबंध मे ठोस आंकड़ा नही है, इसलिए (न्यायमूर्ति) नागमोहन दास की अध्यक्षता मे एक आयोग का गठन किया गया है। हम आंतरिक आरक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। नवंबर मे सरकार ने उच्च न्यायालय के सेवानिवृत न्यायाधीश न्यायमूर्ति एच एन नागमोहन दास को अनुसूचित जातियो (एससी) के बीच आंतरिक आरक्षण की सिफारिश करने के लिए एक आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया था। अनुसूचित जातियो का एक वर्ग, विशेष रूप से एससी लेफ्ट , आंतरिक आरक्षण की मांग कर रहा है। उनका आरोप है कि केवल कुछ प्रभावशाली उपजातियां ही अधिकांश लाभ ले रही है, जबकि कई समुदाय अब भी हाशिए पर है।

ममता के बीएसएफ वाले बयान से गृह राज्यमंत्री नित्यानंद ने किया किनारा

» बिना जवाब दिए कार्यक्रम से भागे गृह राज्य मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हाजीपुर। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पर गंभीर आरोप लगाए थे। ममता बनर्जी ने कहा था कि बीएसएफ बांग्लादेश से आतंकियों को बंगाल में घुसने दे रही है। इस बयान पर हाजीपुर पहुंचे केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय से जब मीडिया ने सवाल किया तो वे सवालों से भागते हुए नजर आए हैं।

दरअसल, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोला था। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया था कि केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने इसके साथ सीमा सुरक्षा बल पर भी गंभीर आरोप लगाया था। ममता बनर्जी ने कहा है कि बीएसएफ बांग्लादेश से आतंकियों को बंगाल में घुसने दे रही है। आगे उन्होंने (ममता बनर्जी) कहा था कि अगर बीएसएफ ऐसी गतिविधियों को बढ़ावा देना जारी रखती है, तो तृणमूल कांग्रेस उनके खिलाफ प्रदर्शन करेगी। उन्होंने बताया था कि कई बार हमने केंद्र सरकार को इस बारे में बताया था कि केंद्र सरकार जो भी फैसला लेगा, हम उसे मानेने को तैयार हैं।

जम्मू-कश्मीर में आरक्षण को लेकर राजनीतिक घमासान

» सबकी निगाहें उप समिति पर
» नेताओं ने दी सरकार को सलाह
» भाजपा पर पीडीपी व नेकां का प्रहार
» जातीय जनगणना होती तो यह समस्या न होती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। सरकारी नौकारियों में आरक्षण युक्तिसंगत बनाने के लिए राजनीतिक घमासान जारी है। इसे लेकर जम्मू से कश्मीर तक लोगों की अलग-अलग आकांक्षाएं हैं। आरक्षण के मुद्दों को राजनीतिक दलों की बातों में भिन्नता है, लेकिन सबकी निगाहें सरकार की गठित कैबिनेट की उप समिति की ओर हैं। आरक्षण के मुद्दों पर सत्तापक्ष से लेकर विपक्ष अपने-अपने तर्क दे रहा है। एक तरफ 15 मार्च 2024 का एसओ 176 है, जिसके तहत प्रदेश में आरक्षण की व्यवस्था की है।

वहीं, दूसरी ओर ओपन मेरिट को लेकर चिंताओं का मामला है। इसे लेकर राजनीतिक घमासान जारी है।सत्तारूढ़ पक्ष के सांसद आगा रुहुल्ला मेहदी से लेकर पुलवामा से पीडीपी के विधायक वहीद पर्रा मौजूदा आरक्षण व्यवस्था में बदलाव की मांग कर रहे हैं। वहीं, भाजपा इसे राजनीतिक से ज्यादा कुछ नहीं मान रही है। सामाजिक संगठनों का इस मुद्दे पर अलग मत है। वह राजनीतिक दलों पर आरक्षण को कमजोर करने का आरोप लगा रहा हैं। देश में 1931 के बाद जातीय जनगणना रोकी गई। अगर होती तो आज कोई समस्या नहीं होती। केंद्र सरकार ने अनुसूचित जाति, जनजाति व अन्य पिछड़ा वर्ग को जो आरक्षण दिया है वह प्रदेश में लागू नहीं हुआ। यहां आरबीए के नाम पर लोगों को आरक्षण दिया गया, जो देश में कही नहीं है। प्रदेश में ओबीसी के लिए 13 आयोग बनाए हैं, लेकिन एक भी ओबीसी का प्रतिनिधि नहीं था। सरकार को आरबीए व एएलसी को क्षैतिज आरक्षण देनी चाहिए था, लेकिन दिया वर्टिकल। ओबीसी का आरक्षण बांट दिया है। हक छिना गया। यहीं कारण है की विधानसभा में ओबीसी समुदाय का विधायक नहीं है। आरक्षण को कमजोर किया जा रहा है। अगड़ी जातियों को लाभ दिया जा रहा है।

सरकार मुद्दों को गंभीरता से सुलझाए, हासिल करे समर्थन : रमण भल्ला

संविधान के तहत जिसे जो अधिकार मिले हैं वह मिलते रहने चाहिए। आरक्षण के मुद्दों पर जम्मू-कश्मीर सरकार ने एक उपसमिति बनाई है। सरकार को चाहिए की वह इन मुद्दों को गंभीरता से सुलझाए, सभी हितधारकों का समर्थन हासिल करे, ताकि किसी के अधिकारों का हनन न हो सके।

प्रदेश में आरक्षण को कमजोर करने की कोशिश हो रही : कलसोत्रा

आरके कलसोत्रा राज्य अध्यक्ष, ऑल इंडिया कंफेडरेशन ऑफ एससी एसटी ओबीसी आर्गनाइजेशन जेएंडके ने कहा कि प्रदेश में आरक्षण को कमजोर करने की कोशिश हो रही है। जम्मू-कश्मीर में आरक्षण को कमजोर करने की हर कोशिश की जा रही है। बार्डर इलाके में सरकार ने एससी और ओबीसी को उनकी जाति में रखा है, लेकिन अगड़ी जाति के लोगों को ईडब्लूएस में नहीं रखा। उनके लिए अलग से एएलसी व आईबीए में रखा। भाजपा आरक्षण को पूरी तरह बदल रही है। ये इसलिए किया ताकि सामाजिक न्याय एससी, एससी और ओबीसी को आरक्षण के माध्यम से न मिले। 2015 में विधानसभा में पेश आंकड़े के अनुसार प्रदेश में पांच लाख नियमित कर्मचारी हैं, लेकिन तीन लाख ऐसे कर्मचारियों की नियुक्ति आरक्षण के नियमों को ताक पर रखा कर की गई है। वर्तमान में नई आरक्षण नीति को न्यायालय में चुनौती मिली है, जिस पर सभी हितधारकों को बुलाया गया है।

सरकार जातीय जनगणना से करे विवाद को हल : आदित्य

पीडीपी के प्रवक्ता आदित्य गुप्ता ने कहा है कि सरकार को इस विवाद का हल जातीय जनगणना से करना चाहिए। प्रदेश सरकार को अपने स्तर जनगणना करवानी चाहिए। इससे हर जातियों के लोगों की संख्या की जानकारी मिलेगी। जम्मू-कश्मीर में बढ़ती बेरोजगारी में आरक्षण के वर्तमान मुद्दा में मिट्टी के तेल की तरह काम कर रही है। आरक्षण के मुद्दों जम्मू-कश्मीर की राजनीति जातीय राजनीति की तरह बढ़ रही है।

जातीय जनगणना देश को बांटने का करेगी काम : दिनेश चौहान

नेकां लीगल सेल के अध्यक्ष दिनेश चौहान ने कहा सुप्रीम कोर्ट के निदेश है आरक्षण 50 फीसदी से ज्यादा नहीं होना चाहिए। जम्मू-कश्मीर में आरक्षण 65 फीसदी तक पहुंच गया है। इससे ओपन मेरिट प्रभावित हो रहा है। सरकार ने पहाड़ी समुदाय को दस फीसदी आरक्षण दिया जो ओपन मेरिट को प्रभावित कर रहा है। आरक्षण की तय सीमा को 50 फीसदी तक रखा जाएगा, ताकि सुप्रीम कोट के निर्देशों का पालन हो सके। आरक्षण की वर्तमान व्यवस्था से सबसे ज्यादा प्रभावित ओपन मेरिट प्रभावित हो रहा है। यही कारण है कि नेकां के सांसद ने इस विषय को उठाया है ताकि ओपन मेरिट के हितों का संरक्षण हो। आरक्षण विवाद को जातीय जनगणना से हल नहीं किया जा सकता।

आरक्षण पर राजनीति से आ रहा हिंदू व देश विरोधी भाव : रैना

भाजपा नेता गिरधारी लाल रैना ने कहा कि वर्तमान में आरक्षण को लेकर जारी राजनीति से हिंदू और देश विरोधी भाव आ रहा है। अगर जाति जनगणना करनी है तो हर धर्म में होनी चाहिए। वर्तमान आरक्षण के मामला न्यायालय में है और सरकार ने उप समिति बनाई है। इसपर ज्यादा बोलना ठीक नहीं है। 15 मार्च 2024 में 176 के एसआरओ में कुछ नहीं बदला है। पता नहीं विरोध क्यों है। जो पार्टियां 50 फीसदी से ज्यादा आरक्षण होने की बात करती हैं वह तमिलनाडु में 69 फीसदी तक आरक्षण पहुंचने पर बात नहीं करती हैं। जम्मू-कश्मीर में कभी अल्पसंख्यक आयोग नहीं बना। यहां पर कमजोर वर्ग के लोगों को अधिकारों से वंचित रखा गया। भाजपा ने प्रदेश में अवसर बढ़ाए हैं जिससे हर क्षेत्र के लोगों को लाभ मिला।

सत्ता में रहे दलों ने सही ढंग से लागू नहीं किया आरक्षण : चरगोत्रा

बसपा के प्रवक्ता चरणजीत चरगोत्रा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में लोगों को आरक्षण का लाभ नहीं मिला है। ओबीसी वर्ग के लोगों को अधिकारों से वंचित रखा गया। सरकार ने आरक्षण को सामाजिक उत्थान की बजाय वित्तीय उत्थान के रूप में लिया है। प्रदेश में जो भी राजनीतिक दल सत्ता में रहे हैं, उन्होंने आरक्षण को उचित रूप से लागू नहीं किया। अनुच्छेद 370 हटने के बाद सरकार ने 14 जातियों को जोड़ा और आरक्षण को कमजोर किया। ओबीसी आयोग का तो गठन किया गया है, लेकिन उस समुदाय के लोगों को प्रतिनिधित्व ही नहीं दिया गया।

'जम्मू-कश्मीर के लोगों को तोहफा दे मोदी सरकार'

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी सरकार ने कुछ चुनावी वादों को लागू करना शुरू कर दिया है और व्यवस्था में बदलाव की आवश्यकता वाले अन्य वादों को पूरा करने की दिशा में काम करेगी। उमर अब्दुल्ला ने ने कहा कि हमें सत्ता में आए दो महीने हो गए हैं, और यह समझने में कुछ समय लगा कि केंद्र शासित प्रदेश के रूप में जम्मू और कश्मीर में यह नई प्रणाली कैसे काम करती है। हमारी पिछली सरकार और इस सरकार में बहुत अंतर है। मैंने सोचा था कि ऐसी परिस्थितियों में काम करना मुश्किल होगा, लेकिन हमारी शुरुआत काफी अच्छी रही है। अब्दुल्ला ने उम्मीद जताई कि केंद्र शासित प्रदेश के रूप में क्षेत्र का दर्जा अस्थायी होगा। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के लोगों को चुनावों में उनकी सक्रिय भागीदारी के बदले में कुछ प्राप्त करने की आवश्यकता पर बल दिया। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर निशाना साधते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि भले ही हम स्वीकार कर लें कि जम्मू-कश्मीर का दर्जा स्थायी रूप से हल हो गया है, लेकिन तथ्य यह है कि जम्मू-कश्मीर का एक हिस्सा सीमा के दूसरी ओर जब भाजपा दावा करती है कि कश्मीर मुद्दा सुलझ गया है, तो क्या इसका मतलब यह है कि उनका मानना है कि सीमा के दूसरी ओर का मुद्दा भी सुलझ गया है? कश्मीर मुद्दा अभी भी मौजूद है, चाहे सीमा के इस तरफ या उस तरफ, और यह ऐसी चीज है जिस पर हम चर्चा कर सकते हैं।

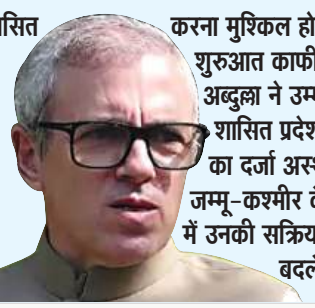

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बातों से नहीं ठोस फैसलों से बदलेंगे हालात!

> चर्चा ये हो रही है कि सीएम पर लोगों का विश्वास उठ गया है। इसलिए भाजपा को चाहिए की माफी जैसे हथकंडे से काम नहीं चलेगा उसे राज्य की स्थिति को सुधारने के लिए गंभीर प्रयास करना होगा। लम्बे समय से यह प्रांत अस्थिरता, असंतोष एवं अशांति की आग में जल रहा है।

साल खत्म होने के एक-दो दिन पहले मणिपुर के सीएम बीरेन सिंह ने राज्य के लोगों से माफी मांगते हुए निवेदन किया था कि राज्य में हिंसा का दौर खत्म होना चाहिए और नये वर्ष में एकसाथ रहकर राज्य की उन्नती के लिए प्रयत्न करना चाहिए। हालांकि इस अपील पर लगता है कोई गंभीर प्रभाव नहीं पड़ा इसलिए 3 जनवरी को वहां फिर हिंसा भड़क गई। चर्चा ये हो रही है कि सीएम पर लोगों का विश्वास उठ गया है। इसलिए भाजपा को चाहिए की माफी जैसे हथकंडे से काम नहीं चलेगा उसे राज्य की स्थिति को सुधारने के लिए गंभीर प्रयास करना होगा। लम्बे समय से यह प्रांत अस्थिरता, असंतोष एवं अशांति की आग में जल रहा है। एन बीरेन सिंह ने माफी मांगते हुए हिंसा के इस लंबे कालखण्ड एवं सिलसिले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और सभी समुदायों से अपील की कि पिछली गलतियों को भुलाकर वे शांति और सौहार्द कायम करें। हालांकि मुख्यमंत्री की इस अपील के अपने मतलब निकाले जा रहे है।

कुछ लोगों का कहना है कि यह माफी बहुत पहले मांगी जानी चाहिए थी। कुछ का यह मानना है कि माफी ऐसे समय आई है जब मुख्यमंत्री चौतरफा दबाव में है। विरोधी तो बहुत पहले से उनका इस्तीफा मांग रहे हैं, पिछले कुछ समय से खुद उनके विधायकों और सहयोगियों ने इस माफी को उनकी मजबूरी का परिणाम बताया है। निश्चित ही बीरेन सिंह के लिये माफी मांगना काफी नहीं है, अगर वह मानते हैं कि स्थिति को संभालने में नाकाम रहे तो उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए था या केन्द्र को राष्ट्रपति शासन लगाना चाहिए था। मणिपुर में 3 मई 2023 से ही बहुसंख्यक मैतेई और कुकी के बीच आरक्षण और आर्थिक लाभ को लेकर जो हिंसा शुरू हुई वह अभी थमने का नाम नहीं ले रही। कभी अपनी सांस्कृतिक सद्भावना के लिए जाना जाने वाला राज्य अब गहराते विभाजन एवं जातीय संघर्ष का सामना कर रहा है और लोग लगातार भय में जी रहे हैं। तनाव कम होने का कोई संकेत नहीं दिख रहा। शांति एवं सद्भावना की तलाश अभी भी जारी है। मणिपुर में जब चंद दरिंदें दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर उनके साथ बर्बरतापूर्ण हरकत करते नजर आए तो पूरा प्रांत आक्रोश में आ गया। जनमानस की प्रतिक्रिया लोकतांत्रिक व्यवस्था में बहुत महत्व रखती है। न तो राज्य सरकार ने और न ही केन्द्र सरकार ने हिंसा को रोकने के लिए कोई ठोस उपाय किए और न ही शांति स्थापित करने के कोई प्रयास किए गए। यह कौमों के साथ नाइंसाफी होने के साथ अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा थी। क्योंकि ऐसी दौर जहां पहुंचाती है, वहां कामयाबी की मंजिल नहीं, बल्कि मायूसी का गहरा गड्ढा होता है। अब नए साल में केंद्र व राज्य सरकारों को गंभीरता से मणिपुर के मामले में सोचना पड़ेगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जरूरत है मृत्युदंड पर पुनर्विचार की

न्यायमूर्ति मदन बी लोकुर

यमन में मृत्युदंड की सजा सुनाई भारतीय महिला को बचाने के यत्नों के दौरान हमें यह सोचना चाहिए कि क्या हम को कठोरतम दंड यानी फांसी की सजा देना जारी रखना चाहिए। निमिशा प्रिया नामक नर्स को हत्या का दोषी पाया गया है। उस पर इल्जाम है कि उसने कथित तौर पर पीड़ित (जो कि उसे जानता था) को जेल में मुलाकात के दौरान नशे का इंजेक्शन लगाया था। उसके मृत्यु दंड को रोकने के प्रयास अब तक विफल रहे हैं। एक अंतिम मौका यही बचा था कि मृतक के परिवार को 'खून की कीमत' की पेशकश करना और माफी मांगना। 'खून-माफी' की यह राशि 40,000 डॉलर (लगभग 34 लाख रुपये) आंकी गई है। यह रकम पूरी तो नहीं लेकिन इसका बड़ा हिस्सा नर्स के परिवार द्वारा एक वकील के पास जमा करवा दिया गया है। ऐसा लगता है कि वित्तीय मुआवजे की पेशकश को मान लिया गया है। अब केवल क्षमा-दान का बेसब्री से इंतजार है। हमारी सरकार परिवार की सहायता के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

पर हम तो हमेशा से यही कहते आए हैं कि 'कानून को अपना काम करने दें', और इस महिला के मामले में भी यही लागू है। तो फिर हमारी सरकार उसकी मौत की सजा टालने के लिए मदद क्यों कर रही है? क्या इसलिए कि सरकार का मानना है कि वह दोषी नहीं है या उसे निष्पक्ष सुनवाई नहीं मिली? क्या इसलिए कि वह एक भारतीय है और सरकार एक भारतीय नागरिक की जान बचाने के लिए हरसंभव प्रयास करेगी? क्या इसलिए कि सरकार को लगता है कि सजा बहुत कठोर है? कारण चाहे जो भी हो, मदद प्रदान करने के लिए सरकार की सराहना की जानी चाहिए। लेकिन इस मामले से सरकार को हमारी कानून की किताबों में मृत्युदंड की आवश्यकता पर विचार करना बनता है। आखिरकार, जब हम किसी व्यक्ति को फांसी देते हैं, तब भी तो हम एक भारतीय नागरिक की जान ले रहे होते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उस भारतीय को हमारे अपने देश में फांसी दी जाए या विदेशी धरती पर।

यह भी सच है कि हमारी अदालतें मृत्युदंड देने में सतर्क और बेहद सावधान रहती हैं- वे ऐसा दुर्लभतम मामलों में ही करती हैं। लेकिन क्या अभियोजन पक्ष के लिए मृत्युदंड की मांग करने से बचना उचित नहीं होगा? किसी व्यक्ति को फांसी देने से क्या

उद्देश्य पूरा हो जाता है? मृत्युदंड पर चर्चा करने पर सामान्य उत्तर यही आता है कि जघन्यतम अपराधों के विरुद्ध ऐसा एक निवारक डर होना जरूरी है। दुर्भाग्य से, इस तर्क का समर्थन करने के पक्ष में कोई सुबूत नहीं है। अमेरिका में मृत्युदंड की सज़ा सुनाए गए लोगों की संख्या बहुत ज्यादा है, उनमें से बहुत बड़ी संख्या का मृत्युदंड क्रियान्वित किया भी जाता है। लेकिन क्या इससे वहां के स्कूलों में हत्या करने या सामूहिक गोलीबारी करने या हाल ही में न्यू ऑरलियन्स में हुए नरसंहार जैसे अपराध होना रुक गए? दूसरी ओर, ऐसा लगता है कि जिन मुल्कों में मृत्युदंड का प्रावधान हटाया गया है, वहां जघन्य अपराधों के मामलों में वृद्धि नहीं हुई है। फ्रांस ने 1981 में यह विकल्प चुना था, चार दशक से अधिक समय बीतने के बाद, इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि वहां जघन्य जुर्म की संख्या बढ़ी है। जिम्बाब्वे, जिसने पिछले साल दिसंबर में मृत्युदंड पर रोक लगाने के लिए संयुक्त राष्ट्र में पेश हुए प्रस्ताव पर मतदान में अनुपस्थिति दर्ज करवाई थी, ने भी मृत्युदंड को समाप्त कर दिया है। अब देखना यह है कि इस निर्णय का प्रभाव क्या रहेगा। हमारे देश में प्रति वर्ष बलात्कार और हत्या के हजारों मामले दर्ज किए जाते हैं। हमारे यहां आतंकवादी हमलों के भी अनेक मामले हैं। मेरा मानना है कि जघन्य अपराधों से जुड़े इन तमाम मामलों में यदि जांच प्रक्रिया तेजी से पूरी कर ली जाए और एक साल के अंदर मुकदमे की सुनवाई पूरी हो जाए, तो काफी हद तक न्याय मिल जाएगा। इसके वास्ते, जहां हमारी पुलिस को अपराधों की जांच करने के लिए उच्च प्रशिक्षित होने की जरूरत है वहीं हमारे अभियोजन पक्ष और अभियोजकों को भी ठोस और वैज्ञानिक सुबूतों से पूरी तरह लैस होना होगा।

हाल ही में एक अखबार में छपी एक खबर के अनुसार एक मामले में 49 में से 48 गवाह मुकर गए। यह हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली के बारे में क्या बताता है? सिर्फ इतना कि इसमें बड़े पैमाने पर बदलाव की जरूरत है। लेकिन, हो यह रहा है कि हमारे यहां व्यवस्था को सुधारने के बजाय सबसे कठोरतम सज़ा यानी मृत्युदंड और ज्यादा देने की मांग की जा रही है। इससे व्यवस्था को सुधारने में मदद नहीं मिलेगी। देश भर की अदालतों को आपराधिक मामलों में सुनवाई और अपीलों के निपटारे में तेजी लाने की जरूरत है ताकि फैसले पर जल्दी पहुंचा जा सके। तभी जघन्य या अन्य अपराध करने वालों को यह संदेश मिलेगा कि उन्हें सज़ा जल्द मिल जाएगी।

क्षेत्रीय चुनौतियों के बीच संतुलन की जरूरत

के.एस. तोमर

भारत को विदेश नीति 2025 में तेजी से बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य के अनुकूल ढालनी होगी। वैश्विक शक्तियां अमेरिका और पड़ोसी राष्ट्र चीन वैश्विक व्यवस्था को आकार दे रहे हैं। फलतः भारत को ऐसी चुनौतियों का सामना करना होगा, जिनके लिए एक सूक्ष्म दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। नीति को दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों के साथ-साथ तात्कालिक आवश्यकताओं को संतुलित करते हुए भविष्य की दिशा में रूपांतरित करना होगा। भारत की विदेश नीति बीते साल की कई महत्वपूर्ण वैश्विक घटनाओं के चलते आकार ले रही है, जो 2025 की भू-राजनीतिक और वैश्विक केंद्रित नीति की नींव बनाएंगी। निस्संदेह, भारत ने अपनी वैश्विक स्थिति को मजबूत किया है, लेकिन प्रमुख शक्तियों और पड़ोसी देशों के साथ रिश्तों में कुछ चुनौतियां बनी हुई हैं।

वर्ष 2025 के लिए भारत की विदेश नीति का सबसे बड़ा चुनौतीपूर्ण मुद्दा चीन होगा। हालांकि, साल के अंत में संवाद स्थापित करने के प्रयास हुए हैं। इसके बावजूद, द्विपक्षीय रिश्तों से जुड़े कई पेंच बाकी हैं। लद्दाख में सीमा विवाद, हिंद महासागर और दक्षिणी चीन सागर में चीन का बढ़ता प्रभाव और बीजिंग की आक्रामक आर्थिक और सैन्य नीतियां भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए सीधा खतरा बन सकती हैं। चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव नीति ने पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों के साथ उसकी आर्थिक साझेदारी को गहरा किया है, जिसके कारण भारत को चिंता हो रही है, क्योंकि यह घटनाक्रम दक्षिण एशिया में उसकी स्थिति को रणनीतिक रूप से कमजोर कर सकता है। सीमा मुद्दा अनसुलझा है, हालांकि कूटनीतिक वार्ता जारी है। भारत को इस मामले में अत्यधिक आक्रामक दृष्टिकोण से बचते हुए एक संतुलित रुख अपनाना होगा, ताकि क्षेत्रीय अस्थिरता को रोका जा सके। कूटनीतिक और सैन्य प्रयासों को तनाव कम करने और विश्वास निर्माण उपायों पर केंद्रित किया जाना चाहिए। वहीं भारत को अपने हितों की रक्षा करते हुए दक्षिण चीन सागर, ताइवान जल डमरूमध्य और हिंद महासागर में चीन की बढ़ती महत्वाकांक्षाओं के दृष्टिगत मजबूती से खड़ा रहना चाहिए। भारत को अपने पड़ोसी देशों के साथ आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करना होगा, ताकि चीन के प्रभाव को संतुलित किया जा सके।

भारत के लिए अमेरिका के साथ रिश्ते सकारात्मक दिशा में बढ़ रहे हैं, लेकिन इनमें भी कई समस्याएं बनी हुई हैं। हालांकि, रक्षा और व्यापार के क्षेत्र में सहयोग बढ़ा है, लेकिन कई मोर्चों पर तनाव भी बना हुआ है। अमेरिका की बहुपक्षीयता की नीति, जलवायु परिवर्तन पर उसका दृष्टिकोण, और बौद्धिक संपदा अधिकार एवं व्यापार असंतुलन जैसे मुद्दे अक्सर भारत के लिए मुश्किलें खड़ी करते हैं। भारत की रणनीतिक स्वायत्तता पर जोर अमेरिका के साथ गहरे संबंधों को जटिल बना देता है। इसके अलावा, यूक्रेन युद्ध पर रूस के समर्थन को लेकर अमेरिका की भारत पर बढ़ती दबाव की स्थिति भी रिश्तों में तनाव का कारण है। इन समस्याओं को कूटनीतिक संवाद और बहुपक्षीय सहयोग के माध्यम से हल किया जाना चाहिए।

भारत के अपने पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते कई तरह की चुनौती का सामना कर रहे हैं। एक ओर, भारत भूटान, बांग्लादेश और नेपाल जैसे देशों के साथ आर्थिक और रणनीतिक संबंध बनाए हुए है, वहीं पाकिस्तान के साथ रिश्ते अब भी तनावपूर्ण हैं। कश्मीर विवाद और सीमा पार आतंकवाद के कारण भारत-पाकिस्तान संबंध लगातार प्रभावित होते रहे हैं। नेपाल में चीन का बढ़ता प्रभाव, श्रीलंका के चीन की ओर झुकाव, और पाकिस्तान के साथ अनसुलझे मुद्दे भारत के लिए कठिनाइयां उत्पन्न कर रहे हैं। भारत को अपने पड़ोसी देशों के साथ मजबूत आर्थिक और रणनीतिक संबंध बनाना चाहिए। भूटान, बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका के साथ द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सहयोग को बढ़ाना चाहिए और चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का मुकाबला वैकल्पिक पहल के माध्यम से करना चाहिए। हमें यूरोप के साथ रिश्ते को मजबूत करना चाहिए। अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी को गहरा करना चाहिए, विशेषकर रक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में। यूरोपीय देशों के साथ भी भारत को सहयोग बढ़ाना चाहिए, खासकर स्वच्छ ऊर्जा, रक्षा और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में। भारत को वैश्विक शासन में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। यह कदम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता प्राप्त करने के लिए प्रयास में मदद सकता है। भारत को जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, और वैश्विक व्यापार सुधार जैसे मुद्दों पर वैश्विक पहल का नेतृत्व करना चाहिए।

भारत को अपनी सैन्य क्षमताओं को आधुनिक बनाना चाहिए और महत्वपूर्ण सहयोगियों जैसे अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर खुफिया साझेदारी और आतंकवाद विरोधी उपायों को बढ़ाना चाहिए। पाकिस्तान के साथ भारत का रिश्ता निरंतर तनावपूर्ण रहेगा, खासकर सीमा पार आतंकवाद और पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की बढ़ती धमकी के कारण। भारत को पाकिस्तान से कश्मीर मुद्दे के शांतिपूर्ण समाधान की उम्मीद के साथ, आतंकवाद के खिलाफ अपनी सैन्य और कूटनीतिक तैयारियों को मजबूत करना होगा। भारत को विदेश नीति 2025 में रणनीतिक स्वायत्तता, क्षेत्रीय सहयोग और वैश्विक परिदृश्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। प्रमुख शक्तियों के साथ रिश्ते संतुलित करना, पड़ोसी देशों के साथ सहयोग बढ़ाना, और वैश्विक शासन में सक्रिय भूमिका निभाना भारत को एक प्रमुख वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करेगा। हालांकि चीन और पाकिस्तान के साथ रिश्ते चुनौतीपूर्ण होंगे, फिर भी भारत के पास वैश्विक मंच पर अपनी स्थिति मजबूत करने के पर्याप्त अवसर हैं।

बच्चों को घर पर बनाकर खिलाएं पराठा

मिक्स वेज पराठा

सर्दियों में बाजारों में तमाम तरह की सब्जियां मिलने लगती हैं। ऐसे में आप प्याज, मटर, गाजर, पत्ता गोभी और शिमला मिर्च का मिश्रण बनाकर आटे में मिलाकर पराठा बनाएं। मिक्स वेज पराठे को हमेशा कुरकुरा ही सेकें। ये खाने में मजेदार लगता है। क्योंकि मिक्स वेज पराठा सिर्फ ब्रेकफास्ट में ही नहीं बल्कि लंच या डिनर में भी बनाया जा सकता है। आप अगर पराठा खाने के शौकीन हैं तो ये फूड डिश आप घर पर जरूर बनाएं जिसे खाकर आपके घर वाले खुश हो जाएंगे।

पनीर पराठा

पनीर से बनने वाला पराठा भी काफी लजीज होता है और इसका स्वाद सभी को पसंद आता है। आप चाहें तो पनीर पराठा बच्चों के टिफिन में भी रख सकते हैं। पंजाबी खान-पान में पनीर पराठा अलग ही स्थान रखता है यदि आपके पास पनीर रखा है तो उसका पराठा तैयार करें। इसके लिए पनीर को कद्दूकस करके उसमें हरी मिर्च, धनिया पत्तियां, और नमक मिलाकर आटे में भरकर पराठा बनाएं। इसे रायते के साथ परोसें। रायते की वजह से इसका स्वाद कई गुना बढ़ जाएगा।

मेथी पराठा

मेथी के पराठे की बात ही अलग है। हर कोई इन्हें अपने तरीके से बनाता है। मेथी के पराठे खाने में लजीज होने के साथ शरीर को गर्माहट भी देते हैं। इस मौसम में बाजार में हरी मेथी मिलने लगती है। इस मेथी से सब्जी के अलावा पराठा भी तैयार किया जा सकता है। इसके लिए आपको बस मेथी के ताजे पत्तों को निकालकर उसे आटे में मिक्स करना है। मेथी का पराठा आलू-टमाटर की सब्जी के साथ खाने में स्वादिष्ट लगता है।

भारत के ज्यादातर राज्यों में नाश्ते में पराठे का सेवन किया जाता है। खासतौर पर बात की जाए पंजाब, उत्तर प्रदेश और बिहार की तो इन राज्यों में तो सुबह-सवेरे उठकर बच्चे से लेकर बड़े तक पराठे खाना पसंद करते हैं। अब जब सर्दी का मौसम शुरू हो गया है, तब तो हर कोई चाय के साथ पराठे का सेवन करना पसंद करता है। इस मौसम में कई अन्य सब्जियां भी आने लगती हैं, जिनको पराठे में भरकर इस्तेमाल किया जा सकता है। सर्दी में यदि गरमागरम पराठे मिल जाएं तो इस मौसम का मजा भी दोगुना हो जाता है। बहुत सी महिलाओं को ये समझ ही नहीं आता कि वो कौन से पराठे इस मौसम में बना सकती हैं। तो आप हर दिन अलग तरह का पराठा बनाकर परिवारवालों को खिलाएं। जिससे सभी खुश हो जाएंगे।

पालक पराठा

यदि आप अपने घर के लोगों को कुछ हेल्दी खिलाना चाहती हैं तो पालक का पराठा बेहतरीन विकल्प है। इसके लिए पालक को उबालकर उसकी पत्तियों को बारीक काटें और आटे में मिलाकर पराठा तैयार करें। यह विटामिन से भरपूर होता है। ब्रेकफास्ट में पालक पराठा एक परफेक्ट फूड डिश हो सकती है। पालक में प्रचुर मात्रा में पोषक तत्व मौजूद होते हैं। आमतौर पर बच्चे पालक से दूरी बनाकर रखते हैं लेकिन पालक पराठा को बड़े ही चाव से खाते है।

मूली का पराठा

सर्दियों के मौसम में मूली काफी मीठी-मीठी आती है, जिस वजह से इसका स्वाद खाने में काफी अच्छा लगता है। ऐसे में आप इस मौसम में कद्दूकस की मूली, हरी मिर्च, अदरक, और नमक के साथ आटे में भरकर पराठा तैयार करें। मूली का पराठा बनाते वक्त इसका पानी सुखाना गलती से भी न भूलें।

गाजर पराठा

सर्दी के मौसम में गाजर मिलने लगती है। ऐसे में आप कद्दूकस की हुई गाजर को आटे में मिलाकर, थोड़ा अजवाइन, जीरा और नमक डालकर पराठा तैयार करें। गाजर का पराठा बच्चों को काफी पसंद आता है, क्योंकि ये खाने में तीखे नहीं होते।

आलू पराठा

आलू का पराठा सर्दी के मजे को दोगुना करने का काम करता है। इसे तैयार करने के लिए आपको सिर्फ उबले हुए आलू को मसाले के साथ मिलाकर गूंथे हुए आटे में भरकर तवे पर सेंकना है। चटनी, दही और अचार के साथ आलू का पराठा खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है। अगर कभी हैवी ब्रेकफास्ट करने का मन बन जाए तो भी आलू का पराठा एक अच्छा विकल्प होता है। विंटर सीजन में आलू का पराठा खाने का मजा ही कुछ और होता है।

हंसना मना है

शादी की सालगिरह पर पत्नी को गुलाब देते हुए पति बोला, सालगिरह मुबारक हो! पत्नी- यह नहीं मुझे कोई सोने की चीज चाहिए। पति- ओ, यह लो तकिया और आराम से सो जाओ।

टीचर- बस के ड्राइवर और कंडक्टर में क्या फर्क है? स्टूडेंट- कंडक्टर सोया तो किसी का टिकट नही कटेगा, ड्राइवर सोया तो सबका टिकट कट जायेगा।

लड़का- डिअर मेरी आंखों में देखो, तुम्हें क्या दिख रहा है? मुझे जल्दी से बताओ!' लड़की -'सच्चा प्यार' लड़का -सच्चा प्यार की बच्ची कचरा गया है जल्दी फूंक मार।

आज फिर एक सरदार ने कमाल कर दिया, एक सरदार बैंक में आकर सो गया, जानते हो क्यों? बैंक के बोर्ड पे लिखा था, सोने पे लोन मिलेगा।

आपने कभी सोचा है, की पति और चाय की पत्ति में क्या समानता है? दोनों के नसीब में जलना और उबालना लिखा है और वो भी औरतों के हाथ से।

बच्चा मेडिकल वाले से- अंकल, गोरा करने वाली कोई क्रीम है? मेडिकल वाला: हां है.. शरारती बच्चा: तो साले, लगाता क्यों नहीं? रोज तेरा मुंह देखकर डर जाता हूं!

कहानी | राजा और मूर्ख बंदर

बहुत पुरानी बात है, एक राजा के पास पालतु बंदर था। राजा उस बंदर पर बहुत विश्वास करता था, क्योंकि वह बंदर राजा का भक्त था। बंदर राजा की पूरे मन से सेवा करता था, लेकिन बंदर बिल्कुल मूर्ख था। उसे कोई भी काम ठीक से समझ नहीं आता था। राजा जब भी विश्राम करता बंदर उसकी सेवा के लिए हाजिर हो जाता था। उसके लिए हाथ पंखा चलाता था। एक दिन की बात है, जब राजा सो रहा था और बंदर उसके लिए पंखा झल रहा था, तभी एक मक्खी भिन भिनाते हुए राज के ऊपर आकर बैठ जाती है। बंदर उस मक्खी को पंखे से बार-बार भागने की कोशिश करता है, लेकिन मक्खी उड़कर कभी राजा की छाती पर, कभी सिर पर, तो कभी जांघ पर जाकर बैठ जाती थी। मूर्ख बंदर काफी समय तक ऐसे ही मक्खी को भागने की कोशिश करता रहा, लेकिन मक्खी वहां से जाने का नाम ही नहीं ले रही थी। यह देखकर बंदर को क्रोध आ जाता है और वह पंखा छोड़कर तलवार निकाल लेता है। जब मक्खी राजा के माथे पर बैठती है, तो बंदर तलवार लेकर राजा की छाती पर चढ़ जाता है। यह देख कर राजा काफी डर जाता है। फिर मक्खी माथे से उड़ जाती है, तो बंदर उसे मारने के लिए हवा में तलवार चलता है। इसके बाद मक्खी राजा के सिर पर जाकर बैठ जाती है, तो बंदर के तलवार से राजा के बाल कट जाते है और जब मूंछ पर बैठती है, तो मूंछ कट जाती है। यह देख राजा कमरे से जान बचाकर भागता है और बंदर तलवार लेकर उसके पीछे भागता है। इससे पूरे महल में उथल-पुथल मच जाती है।

कहानी से सीख: इस कहानी से यह सीख मिलती है कि किसी मूर्ख को ऐसा काम न सौंपे, जो बाद में आपके लिए ही खतरा उत्पन्न कर दें।

7 अंतर खोजें

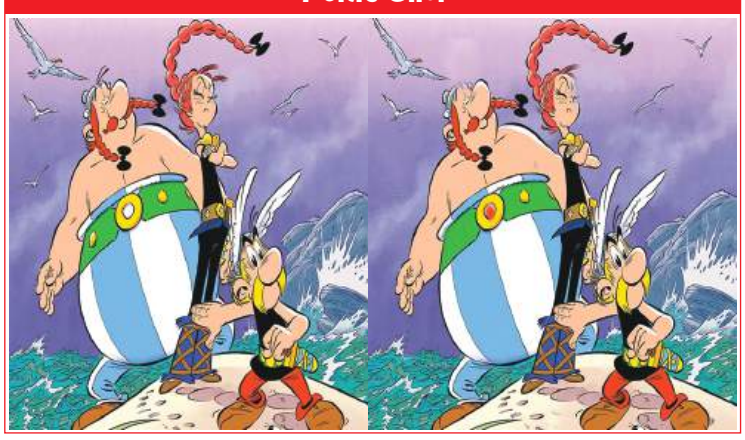

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज माता का एकाएक स्वास्थ्य खराब हो सकता है, लापरवाही न करें। दूर से दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। व्यर्थ दौड़धूप होगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

वृषभ

आज पत्नी के भाग्य का साथ आपको मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। लाभ देगा। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मिथुन

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नए काम करने का मन बनेगा। दूर यात्रा की योजना बनेगी। व्यापार से लाभ होगा। नौकरी में चैन रहेगा।

कर्क

आज कारोबार में अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा।

सिंह

आज प्रॉपर्टी को लेकर कोई बड़ा खर्च एकाएक सामने आएगा। अचानक कर्ज लेना पड़ सकता है। कुसंगति से बचें। स्वयं के काम पर ध्यान दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं।

कन्या

व्यावसायिक यात्रा आज सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। अचानक धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा।

तुला

आज व्यापार में नई कार्य योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

वृश्चिक

नौकरीपेशा को कार्यस्थल पर लाभ के अवसर हाथ आएंगे। अविवाहितों को वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। संतान को शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय सताएगा।

धनु

पिता के स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। परिवार में विवाद से क्लेश हो सकता है।

मकर

आज की आस-पास के क्षेत्र की व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी।

कुम्भ

आज नौकरी में अतिरिक्त अधिकार मिल सकते हैं। घर में सुख के साधन जुटेंगे। भूमि व भवन खरीदी संबंधी नई योजना बनेगी। कारोबार में बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं।

मीन

व्यापार में अपने विवेक का प्रयोग करेंगे, तो समस्याएं कम होंगी। संतान को शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय बना रहेगा। कारोबार की यात्रा मनोरंजक रहेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं जो हूं ही नहीं उसका दिखावा नहीं कर पाता : सोनू सूद

इन दिनों एक्टर सोनू सूद अपनी फिल्म 'फतेह' का प्रमोशन कर रहे हैं। हाल ही में सोनू सूद ने बॉलीवुड पार्टियों के भी कुछ राज खोल दिए। उनसे पूछा गया कि वह बॉलीवुड पार्टियों के बारे में क्या सोचते हैं। इस पर एक्टर का कहना है, ' मैं कैमरे के आगे एफर्ट करता हूं, मैं किसी के घर या पार्टी में जाकर क्यों कोई एफर्ट करूँगा। पार्टी करने से करियर नहीं बनता है। हो सकता है कि बॉलीवुड पार्टी में जाने से किसी का करियर बना होगा। फिर मैं तो ड्रिंक नहीं करता, स्मोकिंग नहीं करता हूं, तो पार्टियों में नहीं जाता हूं। मैं इन पार्टियों में खुद को गुम सा महसूस करता हूं।' सोनू आगे इंटरव्यू में कहते हैं, 'मैं जो हूं ही नहीं, उसका दिखावा नहीं कर पाता हूं। मुझे कई बॉलीवुड पार्टियां फेक यानी दिखावे वाली लगती हैं। इन्हीं पार्टियों में कई लोग कैमरे से ज्यादा अच्छी एक्टिंग कर लेते हैं। हो सकता है कि ऐसा करने पर उनको किसी तरह का रिवॉर्ड मिलता हो। बॉलीवुड के अलावा सोनू सूद ने साउथ की फिल्मों में भी अभिनय किया है, वह वहां एक बड़ा नाम हैं। सोनू सूद ने इंटरव्यू में बताया कि साउथ में कुछ फैंस ने उनका मंदिर ही बनवा दिया है। साउथ के दर्शक सोनू सूद को अपने घर का सदस्य जैसा ही मानते हैं। आगे भी सोनू सूद की इच्छा साउथ की फिल्मों में काम करने की है। अभी वह अपना पूरा फोकस फिल्म 'फतेह' पर रखना चाहते हैं। फिल्म में उनके साथ हीरोइन के तौर पर जैकलिन फर्नांडिस हैं। फिल्म 'फतेह' में जैकलिन के सिंपल लुक की खूब तारीफ हो रही है।

'ये जवानी है दीवानी' ने पहले दिन ही बटोरे करीब सवा करोड़

रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण की रोमांटिक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म ये जवानी है दीवानी को बॉलीवुड की सबसे शानदार फिल्मों में से एक है। इस फिल्म ने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। आज भी यह दर्शकों के बीच उतनी ही लोकप्रिय है जितनी कि रिलीज के समय थी। आयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी यह फिल्म 2013 में जब यह रिलीज हुई थी तो बॉक्स ऑफिस पर यह एक बड़े हिट के रूप में सामने आई थी। फिल्म ने भारत में 188.57 रुपये का नेट कलेक्शन किया था, जो उस समय के हिसाब से यह एक बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म थी।

अब 11 साल बाद ये जवानी है दीवानी ने एक बार फिर से बड़े पर्दे पर वापसी की है। री-रिलीज के बाद इस फिल्म ने दोबारा बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है। इस फिल्म ने टिकट खिड़की पर एक बार फिर से शानदार शुरुआत की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बुक माय शो पर फिल्म के

लगभग 75,000 टिकट्स बिके। इसके अलावा शुरुआती अनुमान के मुताबिक फिल्म ने पहले दिन करीब एक करोड़ 25 लाख रुपये का नेट कलेक्शन किया। यह आंकड़ा इस बात का संकेत है कि फिल्म की लोकप्रियता आज भी वैसी ही बनी हुई है। इसका खास असर दर्शकों पर 11 वर्षों के बाद भी देखने को मिल रहा है।

अगर हम वीकएंड की बात करें तो फिल्म के लिए एडवांस बुकिंग भी मजबूत दिखाई दे रही है। उम्मीद की जा रही है कि 'ये जवानी है दीवानी' पहले सप्ताहांत के दौरान करीब छह करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन कर सकती है। किसी भी री-रिलीज फिल्म के लिए यह एक शानदार आंकड़ा है।

ये सितारे आए थे नजर

करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के तहत बनी 'ये जवानी है दीवानी' में रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण के अलावा आदित्य रॉय कपूर, कल्की केकलां, और कुणाल रॉय कपूर भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म का संगीत प्रीतम ने दिया था। इस फिल्म के सभी गाने दर्शकों के बीच काफी ज्यादा लोकप्रिय हुए थे।

राम गोपाल वर्मा को अभी जाह्नवी कपूर में नहीं दिखती श्रीदेवी

श्रीदेवी के प्रति निर्देशक राम गोपाल वर्मा की दीवानगी किसी से छिपी नहीं है। एक वक्त ऐसा था, जब वह श्रीदेवी की एक झलक पाने के लिए तरसते थे। वह अभिनेत्री के साथ फिल्म भी करना चाहते थे। इस बात का जिक्र खुद एक साक्षात्कार में राम गोपाल वर्मा कर चुके हैं। अब एक बार फिर हालिया साक्षात्कार में निर्देशक ने श्रीदेवी और उनकी बेटी जान्हवी कपूर के बारे में टिप्पणी करके सुर्खियों में आ गए हैं।

राम गोपाल वर्मा ने अपने हालिया साक्षात्कार में एक बार फिर श्रीदेवी के बारे में बात की, लेकिन इस बार उन्होंने उनकी बेटी, अभिनेत्री जान्हवी कपूर के बारे में भी अपने विचार साझा किए। राम गोपाल वर्मा ने कहा, मुझे अभी भी जान्हवी में श्रीदेवी नहीं दिखती है। हालांकि, इससे पहले साउथ अभिनेता और जान्हवी के 'देवरा' को-स्टार जूनियर एनटीआर ने कहा था कि फिल्म के लिए एक फोटोशूट के दौरान, एक पल ऐसा आया जब जान्हवी अपनी मां की तरह हूबहू लगीं। हालांकि, राम गोपाल ने श्रीदेवी और जान्हवी कपूर की तुलना को नकार दिया। उन्होंने श्रीदेवी की तारीफ की और कहा, चाहे 'पड़ाहरेल्ला वयासु' हो या 'वसंत कोकिला', उन्होंने कई तरह के प्रदर्शन किए। वास्तव में, उन्हें अभिनय करते हुए देखकर मैं भूल गया कि मैं एक फिल्म निर्माता हूं और उन्हें एक दर्शक के रूप में देखने लगा। जान्हवी कपूर के साथ फिल्म करने के बारे में पूछे जाने पर राम गोपाल वर्मा ने अपना रुख साफ करते हुए कहा, मुझे मां पसंद थी, बेटी नहीं। उन्होंने आगे कहा, ईमानदारी से, मेरे पूरे करियर में, ऐसे कई अभिनेता और बड़े सितारे रहे हैं जिनके साथ मेरा कोई संबंध नहीं रहा। तो हां, मेरा जान्हवी के साथ कोई फिल्म करने का कोई इरादा नहीं है।

अजब-गजब | इस घर में रेंगते रहते हैं 200 से ज्यादा सांप

18 अजगरों के साथ सोती है 9 साल की बच्ची

सांप बहुत खतरनाक होते हैं। अगर सांप किसी के सामने आ जाए तो अच्छे अच्छों के पसीने छूट जाते हैं। हालांकि कई लोग ऐसे भी हैं जिनको सांपो से डर नहीं लगता लेकिन वे भी सांपों के सामने सावधानी से रहते हैं। लेकिन एक 9 साल की बच्ची है जो सांपो के साथ ही रहती है। इतना ही नहीं वह 18 अजगरों के साथ सोती है और इसके लिए बच्ची के माताा पिता ने उसे परमिशन दे रखी है। आपको जानकर हैरानी होगी कि उस घर में करीब 200 सांप हैं। ये सभी सांप खुलेआम घर में रेंगते रहते हैं।

द सन वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार, सोक्रेटीस और उनकी बीवी जेन स्नेक लवर्स हैं। हालांकि इसके लिए लोग उनकी खूब आलोचना करते हैं। इन्होंने अपने घर में करीब 200 सांप पाल रखे हैं, जो पूरे घर में खुलेआम घूमते हैं। सोक्रेटीस और जेन के दो बच्चे हैं। उनकी 9 साल की बेटी एरियाना और 5 साल का बेटा मैकसिमस है। इन दोनों बच्चों को भी सांपों से बहुत प्यार है। एरियाना जब 1 साल की थी तो उसने घर के एक पालतू सांप को हाथ से पकड़ लिया था। एरियाना को सांप बहुत प्यारे और क्यूट लगते हैं। एरियाना के पिता सोक्रेटीस खुद भी जब 6 साल के थे, तब से उन्हें सांपों से प्यार है। उन्होंने पहले जिंदा सांप को 6 साल की उम्र

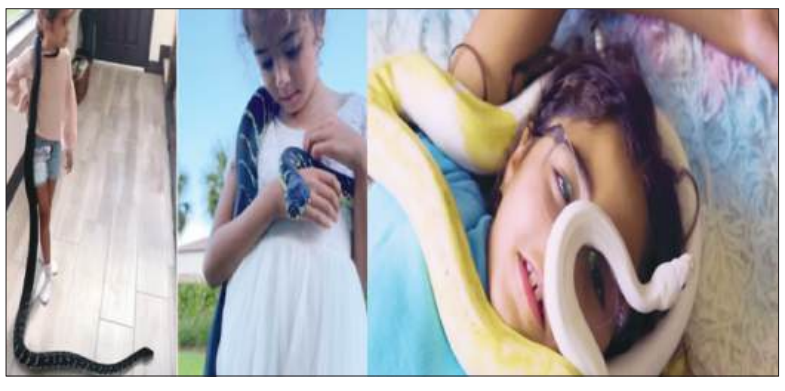

में ही पकड़ा था। जब सोक्रेटीस 6 साल का था तो उसने एक जिंदा सांप को पकड़ लिया था। इस पर उसके माता पिता ने उसे चेताया था कि सांप खतरनाक होते हैं। बड़े होने के बाद सोक्रेटीस को जहरीले सांपों से डर लगने लगा। लेकिन एक दिन वह अपने दोस्त के घर गया और उसने वहां दोस्त के पालतू सांप को देखा। इसके बाद सोक्रेटीस सांपों का दीवाना हो गया। उसने और उसकी बीवी ने बच्चों को काफी अलग ढंग से पाला है। वो अपने बच्चों को खुद से चुनाव करने के विकल्प दे रहे हैं, न कि खुद उन्हें बता रहे हैं।

जब उनके घर पर मेहमान आते हैं, तो वो काफी डरते हैं, पर धीरे-धीरे वो सहज होते हैं और उन्हें समझ आता है कि सांप जहरीले नहीं हैं। एरियाना के पास खुद के 18 सांप हैं और वो उनके साथ अपने कमरे में अकेले सोती है। उसका कहना है कि लोगों को लगता है कि सांप चालाक और खतरनाक होते हैं लेकिन ऐसा नहीं है। एरियाना के छोटे भाई को सांप बहुत ज्यादा नहीं पसंद हैं। वो अभी भी उनके बीच एडजस्ट कर रहा है। सोक्रेटीस ने कहा कि उन्होंने कभी भी बेटे के ऊपर कोई पाबंदी नहीं लगाई है। सोक्रेटीस का कहना है कि उनके पास एक भी ऐसा सांप नहीं है जो जानलेवा हो, या जिससे बच्चों को खतरा हो।

इसे कहा जाता है भुतहा शहर, जहां बने हैं दर्जनों घर अंदर भरा है सामान, पर दूर-दूर तक नहीं है कोई बंदा

दुनिया में ऐसी बहुत सी जगहें हैं, जो इंसानों के रहने लायक नहीं हैं। अक्सर ऐसी जगहों पर प्राकृतिक आपदाएं आ जाती हैं, जिसकी वजह से वहां पर इंसान की जान पर खतरा बन जाता है और उन्हें वहां से जाना पड़ता है। वक्त के साथ वो जगहें भुतही हो जाती है, क्योंकि दूर-दूर तक वहां पर इंसान का अस्तित्व भी नहीं रहता। इटली में भी ऐसा ही एक शहर है, जिसे भुतहा माना जाता है। सिर्फ इसलिए क्योंकि इस शहर में दर्जनों घर हैं, उनके अंदर सामान भी भरे हैं, पर दूर-दूर तक वहां कोई बंदा नहीं है। अब सवाल ये उठता है कि आखिर ये सभी लोग वहां से कहां चले गए? इंस्टाग्राम अकाउंट @gang_scrapp पर हाल ही में एक वीडियो पोस्ट किया गया है जिसमें इटली के एक छोटे से शहर के बारे में बताया गया है। इसका नाम है फॉसा। हैरानी की बात है कि इस गांव की आबादी 0 है, क्योंकि यहां पर कोई भी नहीं रहता है। इटली के पहाड़ों में ये शहर बसा हुआ है। कहा जाता है कि ये शहर रातों रात गायब हो गया, क्योंकि यहां से लोग ही चले गए। अब सवाल ये उठता है कि आखिर यहां के लोगों को क्या हुआ? अर्थक्वेक सेंट्रल वेबसाइट के अनुसार 6 अप्रैल 2009 की रात में करीब साढ़े 3 बजे जब लोग चैन की नींद सो रहे थे, तब अचानक धरती हिली और जोरदार भूकंप से शहर दहल गया। रिक्टेयर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5 से ज्यादा थी। घर, इमारतें, सबकुछ तहस-नहस हो गए। वीडियो के अनुसार 300 लोगों की जान इस हादसे में चली गई। जो बच गए वो यहां से चले गए और कई लोगों को तो लौटकर उनके घर नहीं जाने दिया गया। आज के समय में ये घोस्ट टाउन बन गया है। न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार 1 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का खर्च इस शहर में हुआ था। इस वीडियो को 2 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं और कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक ने कहा कि वो यहां पर 1 रात के लिए रहना चाहता है। एक ने कहा कि ये सारी प्रॉपर्टी अब किसकी है? एक ने कहा कि उसे ये घर बहुत सुंदर लगे। एक ने कहा कि इटली में कई ऐसी खाली पड़ी इमारतें हैं जो दिखने में बेहद सुंदर लगती हैं।

निष्पक्ष हो देश के संसाधनों का वितरण : राहुल गांधी

» नेता प्रतिपक्ष ने बताया आईआईटी छात्रों को भाजपा और कांग्रेस में अंतर

» वर्तमान शिक्षा प्रणाली हमारे बच्चों की कल्पना को पनपने नहीं दे रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के छात्रों के एक समूह के साथ बातचीत की। उन्होंने बातचीत के इस वीडियो को विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर साझा किया है। आईआईटी मद्रास के छात्रों से बात करते हुए राहुल ने बताया कि कांग्रेस और भाजपा में क्या अंतर है। उन्होंने छात्रों से कहा कि उनकी पार्टी का मानना है कि संसाधनों का वितरण अधिक निष्पक्ष होना चाहिए और विकास व्यापक और समावेशी होना चाहिए। जबकि भाजपा ट्रिपल-डाउन विकास पर अधिक आक्रामक है।

कांग्रेस सांसद ने कहा,मैं जिस चीज को आगे बढ़ाना चाहता हूं, वह है भौतिक उत्पादन के क्षेत्र में आगे बढ़ना। मेरे लिए, वास्तविक नवाचार उसी क्षेत्र से आता है। अनुसंधान और विकास में आप जितना पैसा लगाना चाहते हैं, लगाएं, अगर आप वास्तव में उस चीज का उत्पादन नहीं कर रहे हैं, तो यह सिर्फ एक बजट होगा। राहुल ने कहा, वे (भाजपा) आर्थिक दृष्टि से ट्रिपल-डाउन में विश्वास करते हैं। सामाजिक मोर्चे पर, हमें लगता है कि समाज जितना अधिक सामंजस्यपूर्ण होगा, लोग जितने कम लड़ेंगे, देश के लिए उतना ही बेहतर होगा। राहुल गांधी ने कहा कि उन्हें देश की शिक्षा प्रणाली के साथ गंभीर समस्याएं हैं। उन्होंने कहा, आप शायद मुझसे सहमत न हों। मुझे लगता है कि यह बहुत प्रतिबंधात्मक और ऊपर से नीचे की प्रणाली है। यह बहुत संकीर्ण है। मुझे नहीं लगता कि हमारी शिक्षा प्रणाली हमारे बच्चों की कल्पना को पनपने देती है। उधर हरियाणा के प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने राज्य में संविधान बचाओ रैलियां और पदयात्राएं करने का निर्णय लिया है। गुटों में बंटी कांग्रेस यह रैलियां 26 जनवरी तक प्रदेश के सभी ब्लाक अथवा विधानसभा स्तर पर आयोजित करेगी।पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा गुट की ओर से इन रैलियों व पदयात्राओं के आयोजन का कार्यक्रम घोषित किया गया है।

भारत के लोगों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की गारंटी देनी चाहिए

यह पूछे जाने पर कि उच्च शिक्षा को कैसे बढ़ावा दिया जाना चाहिए, राहुल गांधी ने कहा कि एक देश को अपने लोगों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की गारंटी देनी चाहिए। उन्होंने छात्रों से कहा,मुझे नहीं लगता कि हमारे लोगों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की गारंटी देने का सबसे अच्छा तरीका सब कुछ निजीकृत करना है। सच कहूं तो, जब आप किसी तरह का वित्तीय प्रोत्साहन लाते हैं, तो आप वास्तव में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं देते हैं। मैंने कई बार कहा है कि हमारे देश में सबसे अच्छे संस्थान सरकारी संस्थान हैं, आपका संस्थान भी उनमें से एक है। मैं सरकारों द्वारा शिक्षा पर बहुत अधिक धन खर्च करने के पक्ष में हूं।

कांग्रेस अब तक ममता के निष्कासन से नहीं उबरी : प्रदीप भट्टाचार्य

» कांग्रेस बंगाल इकाई के पूर्व अध्यक्ष ने किया दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप भट्टाचार्य ने कहा कि पार्टी अब भी ममता बनर्जी के निष्कासन से लगे झटके से उबरी नहीं है, इससे राज्य में उसकी स्थिति कमजोर हुई है। पूर्व सांसद भट्टाचार्य ने कहा कि तत्कालीन कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सोमेन मित्रा ने पार्टी के रुख के खिलाफ टिप्पणी करने के कारण 1997 में तत्कालीन पार्टी प्रमुख सीताराम केसरी के निर्देश पर बनर्जी को पार्टी से निष्कासित कर दिया था। भट्टाचार्य ने दावा किया कि उन्होंने मित्रा को इस निर्णय के खिलाफ सलाह दी थी, लेकिन आलाकमान की ओर से दबाव बहुत अधिक था।

उन्होंने कोलकाता में मित्रा की एक प्रतिमा के अनावरण समारोह में यह टिप्पणी की। मित्रा का 2020 में निधन हो गया था। भट्टाचार्य ने कहा, निष्कासन ने कांग्रेस को कमजोर कर दिया और हम अब भी इससे उबर नहीं पाए हैं। लेकिन ताकत हासिल करने के लिए हमें एकजुट रहना चाहिए और सोनिया गांधी, राहुल और मल्लिकार्जुन खरगे जैसे हमारे केंद्रीय नेताओं के निर्देशों का पालन करना चाहिए। जनवरी 2011 से फरवरी 2014 तक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रहे भट्टाचार्य ने कहा कि पार्टी को अपना आधार फिर से बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। बनर्जी लगातार तीसरी बार पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री हैं। भट्टाचार्य की टिप्पणी से राजनीतिक विवाद उत्पन्न हो गया। वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने भट्टाचार्य की टिप्पणी के समय पर सवाल उठाया। उन्होंने जाहिर तौर पर राज्य में आगामी राज्यसभा चुनाव से इसके जुड़े होने का संकेत दिया।

विवादित इबादतगाहों का संवाद से निकले हल : इंद्रेश कुमार

» मुस्लिम राष्ट्रीय मंच की बैठक आयोजित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच उत्तर प्रदेश की कार्यकर्ता बैठक का आयोजन 4 जनवरी को प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गांधी स्मृति हाल में किया गया। जिसमें मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मार्गदर्शक डॉ. इंद्रेश कुमार मुख्य वक्ता के रुप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का संचालन कर रहे सय्यद रजा हुसैन रिज़वी ने संचालन करते हुए कहा कि अगर हिंदुस्तान में कहीं भी किसी मस्जिद में बुत हैं तो वहां नमाज नहीं होगी इसलिए हमें आगे आकर बातचीत कर के उसको वापस कर उसका हल निकालना चाहिए।

डॉ इंद्रेश कुमार ने कहा कि भारत वासुदेव कुटुम्बकुम वाला देश है हम पूरी दुनिया को अपना परिवार मानते हैं, हम उस देश से आते हैं जिस देश से मोहम्मद साहब को सकून की ठंडी हवा आती है। भारतीय समाज में सांप्रदायिक सौहार्द और धार्मिक सहिष्णुता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ऐतिहासिक पहल की है। हम मुसलमानों से अपील करते हैं कि संघ प्रमुख मोहन भागवत द्वारा राष्ट्रहित में 142 करोड़ लोगों के लिए दिए बयान का सम्मान करते हुए, मुसलमानों को भी बड़ा दिल दिखाते हुए भारत को विकास के रास्ते पर ले जाने का संकल्प लेना चाहिए।

असम में 2026 के चुनाव के लिए प्रदेश कांग्रेस बड़े पैमाने पर करेगी फेरबदल : भूपेन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने कहा कि वह अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए फरवरी में पूरे राज्य में पार्टी पदाधिकारियों की फेरबदल करेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े तीन वर्षों में पार्टी पदाधिकारियों की क्षमता, प्रतिबद्धता और प्रदर्शन का आकलन करने के बाद लगभग 90 प्रतिशत पदाधिकारियों को बदल दिया जाएगा। बोरा ने कहा, मैं चुनाव को ध्यान में रखते हुए पार्टी को मजबूत करने के लिए फरवरी में राज्यव्यापी फेरबदल करूंगा।

उन्होंने कहा कि पार्टी संगठन में बड़ा मतदान केंद्र से लेकर राज्य स्तर तक होगा और कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने भी प्रस्तावित फेरबदल पर अपनी सहमति दे दी है। बोरा ने कहा, जब मैंने 2021 में प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला, तो पार्टी दूसरी बार राज्य चुनाव हारने के बाद हतोत्साहित थी।

घर के दरवाजे पर भैंस के आ जाने से पड़ोसी ने मारपीट कर किया घायल

» पीड़ित वेंटिलेटर पर, परिजनों ने कराई एफआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाराबंकी। बाराबंकी के थाना घंगटेर में दरवाजे पर भैंस के पहुंचने पर दो पड़ोसियों में जमकर मारपीट हो गई। मारपीट इतनी भयानक रही की पीड़ित को लखनऊ के मेडिकल कालेज के ट्रामा में भर्ती कराया गया। घायल वर्तमान में वेंटिलेटर पर है। पीड़ित रमेश चन्द्र के पुत्र विवेक ने पुलिस में मामला दर्ज करा दिया है। पीड़ित ने प्रार्थना पत्र में बताया कि वह ग्राम गोपालपुर मजरे बड़खेरिया थाना घुंगटेर तहसील फतेहपुर जनपद बाराबंकी का निवासी है। पीड़ित ने लिखा विपक्षी द्वारा उनके पिता को लाठी एवं लोहे के पाइप से प्रहार किया है।

प्रार्थी ने बताया कि रमेश चन्द्र पुत्र स्व खुशीराम निवासी, प्रतिवादी संतोष कुमार पुत्र छोटे लाल निवसी ग्राम उपरोक्त रेनू पत्नी संतोष, पवन पुत्र सहजराम घर सैता मजरे अटहरा थाना घुघटेर, लक्ष्मी यादव पुत्र ईश्वरदीन निवासी घर सैता मजरे अटहरा थाना घुंघटेर जनपद बाराबंकी विपक्षी से पुरानी रंजिश चल रही थी प्राथी का जानवर छूट कर विपक्षी के दरवाजे पर चली गयी थी। प्रार्थी अपनी भैंस को पकड़ने के लिए विपक्षी के दरवाजे पर गया था। तभी विपक्षी गाली-गलौज करने लगा और मना करने पर सभी लाठी डंडा व लोहे की राड लेकर मुझे मारने लगे जिससे मेरे सिर और आंख पर गम्भीर चोटे आयी है, नाक से खून बह रहा है खून कि उल्टियां भी हुई है।

भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से बाहर

» ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच होगा खिताबी मुकाबला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट गंवाने के साथ ही भारत को बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से हाथ धोना पड़ा। टीम इंडिया ने 10 साल बाद यह सीरीज गंवाई। ऑस्ट्रेलिया ने 3-1 से यह सीरीज अपने नाम की। सिर्फ यह सीरीज नहीं टीम इंडिया को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से भी हाथ धोना पड़ा है। भारत अब डब्ल्यूटीसी फाइनल की दौड़ से बाहर हो चुका है।

उसके लिए सिडनी टेस्ट जीतना जरूरी था, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। उसके और दक्षिण अफ्रीका के बीच इस साल 11 जून से लॉर्ड्स में खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले ही फाइनल के लिए क्वालिफाई कर चुकी है। ऑस्ट्रेलिया को अभी श्रीलंका के खिलाफ उनके घर में दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है, लेकिन इससे अब भारत पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम इसे अभ्यास के तौर पर देखेगी। ऑस्ट्रेलिया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में डिफेंडिंग चैंपियन भी है। उसने 2023 में भारत को हराकर ही टेस्ट चैंपियनशिप जीती थी। भारत पिछले दो डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचा था। 2021 में उसे न्यूजीलैंड ने और फिर 2023 में ऑस्ट्रेलिया ने हराया था।

अंक तालिका में इंडिया तीसरे स्थान पर

ऑस्ट्रेलिया ने 63.73 अंक प्रतिशत के साथ फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। वहीं, दक्षिण अफ्रीका का अंक प्रतिशत 66.67 रहा। टीम इंडिया तालिका में तीसरे स्थान पर रही। भारत अगर सिडनी टेस्ट जीत जाता और फिर श्रीलंका अगर ऑस्ट्रेलिया को अपने घर में 2-0 से हराने में कामयाब होता तो भारतीय टीम फाइनल के लिए क्वालिफाई कर सकती थी। हालांकि, ऐसा नहीं हो सका। भारत ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 चक्र में 19 टेस्ट खेले और सिर्फ नो मुकाबले जीते। आठ में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा। दो टेस्ट ड्रॉ रहे। भारत का कुल अंक 114 रहा और टीम 50.00 अंक प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर रही। अंक तालिका में चौथे स्थान पर 48.21 के अंक प्रतिशत के साथ न्यूजीलैंड रहा। वहीं, श्रीलंका 45.45 के अंक प्रतिशत के साथ पांचवें स्थान पर है। इंग्लैंड (43.18 अंक प्रतिशत) छठे, बांग्लादेश (31.25) सातवें, पाकिस्तान (30.30) आठवें और वेस्टइंडीज (24.24) नौवें स्थान पर रहते हुए पहले ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की दौड़ से बाहर हो चुका था।

उत्तर भारत में जानलेवा हो गई ठंड, 15 लोगों की गई जान

» कई राज्य घने कोहरे की जद में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हाड़ कंपाने वाली ठंड के बीच घने कोहरे ने भी उत्तर भारत को अपनी चपेट में ले रखा है। ये ठंड अब जानलेवा भी होती जा रही है। इसकी वजह ये 15 से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। उत्तर भारत के कई हिस्सों में लगातार चौथे दिन घना कोहरा छाया रहा। उत्तर पश्चिम में जम्मू-कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर में त्रिपुरा तक 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में घने कोहरे की मोटी चादर फैली रही। कई इलाकों में दृश्यता शून्य रह गई।

राजधानी में छाई कोहरे की चादर

कोहरे ने सड़क से लेकर रेल और हवाई यातायात को भी गंभीर रूप से प्रभावित किया। हालांकि दिल्ली एनसीआर में सोमवार को बारिश भी हो रही है। मौसम विभाग ने पश्चिम यूपी में भी बर्षा होनें की संभावना जताई है। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में वर्षा व बर्फबारी में सड़क से फिसलकर एक वाहन शनिवार देर रात नाले में गिर गया। जिसमें से चार की मौत हो चुकी थी। चालक समेत दो लापता हैं। यूपी में ठंड लगने से 7 लोगों की मौत हुई है। इनमें हमीरपुर में 5, भदोही व महोबा में एक-एक मौत शामिल हैं।

फोटो: सुमित कुमार

पीके की गिरफ्तारी और थप्पड़ कांड के बाद बिहार में कोहराम

विपक्ष बोला- दमनकारी नीति अपना रही सरकार

» विपक्ष का नीतीश सरकार पर हमला, जदयू व बीजेपी का पलटवार

» प्रशांत किशोर को सिविल कोर्ट से मिली जमानत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पटना पुलिस ने सोमवार सुबह चार बजे जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर को गिरफ्तार कर लिया। उनकी गिरफ्तारी व जनसुराज पार्टी के अध्यक्ष को पुलिस द्वारा थप्पड़ मारे जाने के बाद बिहार में सियासी कोहराम मच गया है। विपक्ष ने नीतीश सरकार पर जोरदार हमला बोला है। विपक्षी नेताओं ने कहा है ये सरकार दमन कारी सरकार है। उधर जदयू व भाजपा ने पीके पर फ्राड करने का अरोप लगाया है। गौरतलब हो कि पीके बीपीएससी की 70वीं प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करवा री-एग्जाम की मांग लेकर दो जनवरी से आमरण अनशन पर बैठे थे।

प्रशांत किशोर बोले- जारी रखेंगे अनशन

अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : अख्तरुल ईमान

असुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान प्रशांत किशोर के समर्थन में उतर गये हैं। उन्होंने नीतीश सरकार पर जमकर हमला बोला। कहा कि प्रशांत किशोर को थप्पड़ मारे जाने की बात सामने आ रही है और अगर ऐसा किया गया है तो यह बहुत ही गलत बात है। यह थप्पड़ प्रशांत किशोर को नहीं बल्कि लोकतंत्र को मारा गया है। इसका खामियाजा बिहार सरकार को भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में आंदोलन करने की सबको छूट है। क्या सरकार गंगा जल से धुली हुई है उन्होंने कहा कि बीपीएससी के चेयरमैन पर खुद कई आरोप लगे हुए है और सरकार दमनकारी नीति अपना रही है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पटना जिला प्रशासन का कहना है कि प्रतिबंधित क्षेत्र में गैर-कानूनी ढंग से धरना देने के यह कार्रवाई की गई है। पटना पुलिस जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर को पीरबहोर स्थित सिविल कोर्ट लेकर पहुंची। जहां कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दिया है। इससे पहले पटना पुलिस ने फतुहा स्थित स्वास्थ्य केंद्र में उनका स्वास्थ्य जांच करवाया था। यहां

राजद जमकर हुई हमलावर

पटना में प्रशांत किशोर की गिरफ्तारी और पूरे मामले को लेकर राष्ट्रीय जनता दल की ओर से प्रतिक्रिया सामने आई है। राजद नेता मृत्युंजय तिवारी का कहना है कि यह खा-पीकर किया गया एक वीआईपी विरोध-प्रदर्शन था। ये छात्रों के आंदोलन की आड़ में अपनी सियासत चमकाने का प्रयास कर रहे थे। अब तो सरकार और ये (प्रशांत किशोर) पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं, दोनों ही पूरी तरह से एक्सपोज हो गए हैं। सरकार से मिलीभगत थी। उसके ही संरक्षण में ये बीते चार दिनों से नाटक किया जा रहा था। पुलिस-प्रशासन पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं, जब गांधी मैदान प्रतिबंधित क्षेत्र था तो वहां बैठने की इजाजत क्यों दी? पहले ही दिन क्यों नहीं हटाया? ये सरकार के द्वारा प्रायोजित आंदोलन छात्र और लोग भी समझ रहे हैं। बीपीएससी अभ्यर्थियों के आंदोलन को बदनाम कर दिया। उनके भविष्य को अंधकार में कर दिया। छात्र-नौजवान कभी माफ नहीं करेंगे।

डॉक्टरों ने पीके की हालत ठीक बताई। उधर खबर आई थी प्रशांत किशोर ने कंडीशनल बेल लेने को तैयार नही थे। हालांकि कोर्ट ने कहा भविष्य में ऐसा प्रदर्शन दोबारा नहीं होना चाहिए। बॉन्ड भरने को भी तैयार नहीं हुए पीके।

चीन में फैला एचएमपीवी वायरस भारत पहुंचा

» कर्नाटक व गुजरात में तीन बच्चे मिले संक्रमित, अलर्ट जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

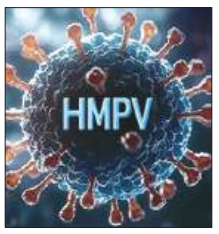

बंगलूरू। चीन में फैल रहा ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) संक्र मण भारत पहुंच गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने कर्नाटक में दो व गुजरात में एक बच्चें में एचएमपीवी संक्रमण पाया है। तीन महीने की बच्ची और आठ महीने के बच्चे में संक्रमण मिला है। वहीं केस मिलने के बाद कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री ने आपात बैठक बुलाई है। चीन में इन दिनों एचएमपीवी का प्रकोप देखने को मिल रहा है। वायरस से बड़ी संख्या में लोगों की जान जाने की खबरें आ रही हैं। इसे लेकर भारत में भी स्वास्थ्य मंत्रालय ने कड़ी निगरानी शुरू कर दी है। कई राज्यों ने एडवाइजरी और अलर्ट जारी किया है।

इसके साथ ही भारत में एचएमपीवी वायरस के दो केस सामने आए हैं। बंगलूरू के बैपटिस्ट अस्पताल में तीन महीने की एक बच्ची को ब्रोन्कोन्यूमोनिया बीमारी के इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। बच्ची में एचएमपीवी होने की जानकारी मिली। उसे छुट्टी दे दी गई है। इसी अस्पताल में आठ महीने के बच्चे में को भी संक्रमित पाया गया। उसका तीन जनवरी 2025 को नमूना लिया गया था। बच्चे की हालत भी ठीक है। दोनों संक्रमित बच्चों और उनके परिजनों का कोई भी अंतरराष्ट्रीय यात्रा का इतिहास नहीं है। मंत्रालय ने कहा कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है। आईसीएमआर पूरे वर्ष एचएमपीवी प्रचलन के रुझानों पर नजर रखना जारी रखेगा। हालांकि विश्व स्वास्थ्य संगठन पहले ही चीन में किए जा रहे उपायों की जानकारी दे रहा है।

ठंड में भी नगर निगम गृहकर वसूली अभियान में जुटा

» विस्तारित क्षेत्रों में 21.92 लाख रुपये की वसूली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम आयोजित गृहकर वसूली कैम्प में जोन तीन से 21 लाख 92 हजार रुपये की वसूली की गई। नगर आयुक्त इन्द्रजीत सिंह के नेतृत्व में यह अभियान सफल रहा, जिसमें सृष्टि अपार्टमेंट और जानकीपुरम विस्तार सहित विभिन्न क्षेत्रों में नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सृष्टि अपार्टमेंट में करीब 5 लाख रुपये और जानकीपुरम विस्तार में 15 लाख रुपये भवन कर के रूप में जमा किए गए। इस अभियान से नगर निगम के राजस्व में भारी बढ़ोतरी हुई।

गृहकर से नगर निगम की वित्तीय स्थिति को मजबूती मिली है। नगर निगम जोन 3 में विस्तारित क्षेत्र में कैंप लगाकर

छुटे हुए भवनों से टैक्स वसूलने का काम लगातार जारी है। इस अवसर पर अपर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव ने सेक्टर -4 बसन्त वाटिका पार्क आकर कैम्प मे सहयोग देने के लिये महासमिति के महासचिव विनय कृष्ण पाण्डेय, डा. देवेन्द्र प्रताप, अशुल मिश्रा, विवेक शर्मा सृष्टि अपार्टमेन्ट राजेश कुमार केन्द्रीय विहार सहित जोनल अधिकारी अमरजीत, कर अधीक्षक सभाजीत ,कर निरीक्षक इमरान अन्य नगर निगम कर्मचारियो का भीषण ठण्ड मे सहयोग के लिये आभार प्रकट किया।

किसानों का प्रदर्शन जारी, सरकार मौन

» किसान नेता डल्लेवाल की 42वें दिन हालत नाजुक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटियाला (पंजाब)। हाड़ कपातीं ठंड में खनौरी बॉर्डर पर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का अनशन सोमवार को 42वें दिन भी जारी है। पर सरकार की कान पर जूं तक नहीं रेंक रही हैं। उधर डॉक्टरों ने मेडिकल बुलेटिन जारी करते हुए कहा कि डल्लेवाल की हालत नाजुक है। उन्हें बार-बार उल्टी हो रही है। उन्हें बात करने में परेशानी हो रही है। उनके लिवर, किडनी एवं फेफड़ों में खराबी आई है। डॉक्टरों ने कहा कि डल्लेवाल का अनशन खत्म भी हो जाए, तो भी इस बात का खतरा है कि शायद उनके सभी अंग सौ फीसदी काम न कर पाएं।

उनकी सेहत की रिकवरी कठिन है। धरना स्थल पर तैनात डॉ. स्वयमान की

टीम के डॉक्टरों ने कहा कि जगजीत सिंह डल्लेवाल कई दिनों से ठीक तरीके से खड़े नहीं हो पा रहे हैं, इसलिए उनका वजन ठीक से माप नहीं पा रहे हैं। उनका मसल मांस बिल्कुल खत्म हो चुका है, शायद ये दोबारा रिकवर नहीं हो पाएगा। उनका ग्लोमेरुलर फिल्टरेशन रेट घट रहा है, जिसकी वजह से उनकी खून साफ करने की क्षमता घट रही है। महापंचायत के बाद शनिवार शाम से जगजीत सिंह डल्लेवाल को बार-बार उल्टियां आ रही हैं, जिसकी वजह से उनको काफी कमजोरी महसूस हो रही है। वे ठीक से बोल भी नहीं पा रहे हैं।

10 जनवरी को फूंके जाएंगे केंद्र सरकार के पुतले

किसान नेताओं अभिमन्यु कोहाड़, काका सिंह कोटड़ा ने कहा कि डल्लेवाल ने उन किसान परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं, जिनके सदस्य शनिवार को रोड एक्सीडेंट में मारे गए या घायल हो गए। उन्होंने कहा कि वह परमात्मा से अरदास करते हैं कि उन परिवारों को दुःख सहने की हिम्मत दें। उन्होंने कहा कि अनशन जारी रहेगा। 10 तारीख को केंद्र सरकार के पुतले फूंके जाएंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।